मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 254 ■ मंगलवार 6 जनवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

बिजनेसवुमन भी हैं दीपिका

शहर में चुनावी सरगर्मी हुई तेज

उल्हासनगर महानगर पालिका चुनाव

CM की सभा 7 को, स्टार प्रचारक लेंगे सभाएं

- भाजपा-शिवसेना में सीधी टक्कर
- राकांपा ने कई जगह मुकबला किया त्रिकोणीय
- चुनावी कार्यालयों का हो रहा उद्घाटन

उल्हासनगर। 15 जनवरी को महानगरपालिका के 78 सीटों के लिए होने वाले चुनाव में 432 उम्मीदवार मैदान में है। जिसमें भाजपा ने अपने 78 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। शिवसेना, टीओके व साई पक्ष ने भी मिलकर 78 उम्मीदवार उतारे हैं। पैनल 12 में चार निर्दलीय उम्मीदवारों को टीओके ने समर्थन दिया है वहीं पैनल 18 में भी शिवसेना ने अपना समर्थन पीआरपी को दिया है। पैनल 5 व 9 में टीओके व साई पक्ष के तीन उम्मीदवार आमने सामने हैं। साई पक्ष ने पैनल 11 व 16 में अपने सभी उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं राकांपा ने अपने 47 उम्मीदवार उतारे हैं जिसमें से

ज्यादातर उम्मीदवारों की टक्कर भाजपा व शिवसेना से ही है।

राकांपा के पैनल 2, 8, 9, 12, 16, 17, 18 में अच्छी भीड़त देखने को मिल रही है। कई जगहों पर भाजपा व शिवसेना में सीधी टक्कर है। मतदान हेतु उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इस हफ्ते में चुनाव सरगर्मी और भी तेज हो जाएगी।

आगामी 7 जनवरी को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उल्हासनगर-1 स्थित सेंचुरी ग्राऊंड में भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार हेतु आ रहे हैं। उनके अलावा शहर में भाजपा से प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, किशन कथोरे, गणेश नाईक, नरेंद्र पवार, शिवसेना से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, श्रीकांत शिंदे, राकांपा से उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार, प्रकाश परांजपे आदि के आने की संभावना है। महायुति में शामिल सभी बड़े नेता एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करते इन दिनों में देखे जाएंगे। फिलहाल उल्हासनगर-1 से 5 तक सर्वपक्षीय चुनाव प्रचार जोरों पर चल रहा है। नुक्कड़ सभाएं, घर-घर प्रचार उम्मीदवारों का हुआ रहा है। कम समय में पूरे पैनल के मतदाताओं तक पहुंचना उम्मीदवारों के चैलेंज साबित हो रहा है।

पैनल 6 में शिवसेना उम्मीदवारों को मिला दादा मोहन गाडो का आशीर्वाद

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पूर्व नगरसेवक दादा मोहनदास गाडो रामरख्यानी से आर्शिवाद लेने कल पैनल 6 से शिवसेना उम्मीदवार महेश सुखरामानी, जया प्रकाश माखीजा, प्रेरणा अजित माखीजानी व विक्की सिंह पहुंचे। दादा मोहन गाडो ने पिछले कई वर्षों तक इस वार्ड की सेवा है और इस वार्ड में आज भी उनका वर्चस्व है। ऐसे में युवा व अनुभवी उम्मीदवारों ने दादा मोहन गाडो का आर्शिवाद लिया। दादा ने चारों उम्मीदवारों को विजयी श्री का आर्शिवाद प्राप्त कर लिया है। इस वार्ड में मोहन गाडो ने जमीनी तौर पर लोगों के संपर्क बनाए रखा था और हर सुबह वार्ड का चक्कर लगाकर लोगों की समस्याओं को तुरंत उसी स्थान पर हल किया करते थे। उसी सेवा कार्य का धनुष उन्होंने शिवसेना उम्मीदवारों को सौंपा है ऐसा महेश सुखरामानी ने अपने बयान में कहा है। यहां उनकी टक्कर भाजपा के उम्मीदवारों से होगी।

चुनाव के दौरान ही कार्य कार्य करने वाले नगरसेवक नहीं - नीतेश चैनानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 2 से युवा राकांपा उम्मीदवार नीतेश चैनानी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नगरसेवक केवल चुनाव के दौरान ही कार्य करते हैं। बाकी अपने एसी केबिन में लोगों से मिलते तक नहीं। चुनाव के दौरान प्रलोभन देकर मतदाताओं को गुमराह करना। नगरसेवक का कार्य है हमेशा वार्डवासियों की सेवा करना ना कि उन्हें वोट के बदले पार्टियां देना। ऐसा नेता कभी वार्ड का कार्य नहीं करेगा। ऐसे में वार्डवासियों को जागरुक होकर युवाओं की ताकत बढ़ाएं और राकांपा को जीताने की अपील नीतेश चैनानी ने की है।

दो सीटों के लिए RPI ने शिवसेना से हाथ मिलाया- भाजपा

- RPI के कई कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दिया साथ
- RPI कार्यकर्ताओं ने नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाई
- मनपा चुनाव में आरपीआई आठवले गुट के उम्मीदवार नहीं
- उल्हासनगर RPI आठवले गुट में फूट

उल्हासनगर. महागनर पालिका चुनाव में RPI (अठावले) ग्रुप महागठबंधन में किस ग्रुप के साथ होगा, इसे लेकर पार्टी पदाधिकारियों में कन्फ्यूजन है। शिंदे सेना ने RPI को सात सीटें दी हैं, जबकि अकेले चुनाव लड़ रही BJP के साथ गठबंधन की बातचीत फेल हो गई है। हालांकि, RPI नेताओं ने रविवार को BJP MLA कुमार ऐलानी, शहर जिला अध्यक्ष राजेश वढारिया और चुनाव प्रमुख प्रदीप रामचंदानी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर BJP का साथ दिया।

उल्हासनगर में RPI आठवले ग्रुप काफी मजबूत है, और एक समय पार्टी को मेयर और डिप्टी मेयर के पद मिले थे। मनपा चुनाव की पृष्ठभूमि में पार्टी नेता सुरेश बारसिंघे, शहर अध्यक्ष नाना बागुल और दूसरे पदाधिकारियों ने सीट शेयरिंग को लेकर BJP से बातचीत की थी. उस समय BJP RPI को 11 सीटें देने पर मान गई थी। हालांकि, वढारिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि बागुल ने बातचीत से बचने के बाद BJP नेताओं के साथ अलायंस नहीं किया। इस बीच, RPI के शहर अध्यक्ष नाना बागुल ने बताया कि शिंदे सेना के साथ अलायंस करके पार्टी को सात सीटें दी गईं, क्योंकि BJP उन्हें सीटें देने को तैयार नहीं थी। बागुल और उनकी बहू शिंदे सेना के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस मौके पर पार्टी के शहर महासचिव पंडित निकम, कार्यकारी अध्यक्ष अंबादास गायकवाड़, हरिभाऊ तायड़े समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

> **RPI को भविष्य में सत्ता में जगह दी जाएगी**
>
> शिंदे सेना के महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी ने कहा कि वह RPI के साथ हैं। हालांकि, उन्होंने इस बारे में चुप्पी साधे रखी कि RPI को कितनी सीटें दी गईं। BJP के वढारिया ने दावा किया कि बागुल की वजह से सीट-शेयरिंग की बातचीत फेल हो गई। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले की RPI BJP के साथ अलायंस में है। वढारिया ने कहा कि RPI को भविष्य में सत्ता में जगह दी जाएगी।

पूर्व महापौर पंचम कालानी ने किया पैनल-2 में शिवसेना उम्मीदवारों का प्रचार

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 2 में पूर्व महापौर व पूर्व नगरसेविका पंचम ओमी कालानी ने कल चुनाव प्रचार की भागदौड़ संभालना शुरू कर दी है। शिवसेना उम्मीदवार जमनू पुरस्वानी, होशियार सिंह लबाना, अनुष्का गोपलानी, श्रीमती पारवानी को वोट देने की अपील श्रीमती कालानी ने की है। उन्होंने कहा कि पूर्व नगरसेविका होने के नाते हमने इस पैनल में काफी विकास कार्य किया है और आगे भी विकास कार्य जारी रहेगा। पैनल 2 में हमारे कर्मठ नेता जमनू पुरस्वानी के नेतृत्व में जो युवा व अनुभवी टीम बनाई है वो पैनल को समस्याओं को मुक्त करने में आपकी मदद करेगी।

माताओं ने दिया अपने बेटे आकाश चक्रवर्ती को आशीर्वाद

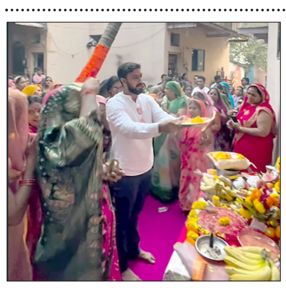

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 9 से शिवसेना के युवा उम्मीदवार आकाश सुमीत चक्रवर्ती को सुभाष नगर परिसर की महिलाओं ने विशेष पूजा का आयोजन किया था। जहां सभी माताओं ने अपने बेटे आकाश चक्रवर्ती को जीत का आर्शीवाद दिया है। महिलाओं ने दावा किया है कि सुशिक्षित आकाश चक्रवर्ती में जो वार्ड का विकास करने की चाह है वो हमने देखी है उससे उनकी जीत पक्की है। युवाओं में इस तरह जज्जबा आजकल बहुत ही कम देखने को मिलता है। शहर में अगर आकाश की तरह युवा कार्य करेंगे तो शहर समस्या मुक्त हो जाएगा। लाडकी बहन योजना का लाभ भी आकाश की सहायता से यहां की महिलाओं को मिला है। आगे भी इस तरह का कार्य करने के लिए सभी माताओं ने आकाश को आर्शिवाद दिया है।

पैनल 11 में प्रवीण किशनानी का चुनाव प्रचार शुरू

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा पैनल 11 से भाजपा उम्मीदवार प्रवीण गोधूमल किशनानी ने अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है।

उन्होंने अपने चुनाव प्रचार में पैनलवासियों से वादा किया है कि जो यहां की प्रमुख समस्या पानी व रास्ते हैं वो उसे जरूर पूरा करेंगे। यहां के निवासी दशहरा मैदान स्थित पानी की टंकी से छोड़े जा रहे पानी पर जो राजनीति होती है उसे बंद करेंगे और वार्डवासियों को भरपूर पानी नियमित रूप से दिलाएंगे।

उन्होंने कहा कि इस पैनल में काफी समस्याएं हैं। वार्डवासी को परिवर्तन करने का मौका मिला है और इसी परिवर्तन के साथ अब वार्ड की समस्याओं का भी परिवर्तन होगा।

पैनल 16 में गंगोत्री ने संभाली प्रचार की कमान

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 16 में राकांपा जिलाध्यक्ष भारत गंगोत्री ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल ली है। उन्होंने कहा कि इस पैनल में भ्रष्टाचारियों का हटाना अनिवार्य है अन्यथा यह पैनल विनाश की ओर जाएगा। उन्होंने कहा कि राकांपा ने इस बार चारों नए चेहरों को मौका दिया गया है जो समाजसेवा में अग्रसर है। जिसमें राकांपा की महिला नेता सोनिया धामी, विजय राजवानी, नेहा प्रकाश लुंड व महेंद्र भाऊ म्हात्रे चुनाव मैदान में है। इस पैनल को भ्रष्टाचार व भयमुक्त करने के लिए राकांपा की घड़ी ही पैनल में विकास के ऑक्सीजन का कार्य करेगी।

विट्ठलवाड़ी पुलिस एक्शन मोड पर

- चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने रूट मार्च निकाला
- 25 पुरुष पुलिस अमलदार
- 5 महिला पुलिस
- 6 पुलिस ऑफिसर हुए शामिल

उल्हासनगर. महानगर पालिका चुनाव प्रचार के लिए लगाए गए बैनर को फाड़ने को लेकर दो ग्रुप्स के बीच हुए विवाद के बाद, एक्शन मोड पर आई उल्हासनगर की विट्ठलवाड़ी पुलिस ने दंगा कंट्रोल रूट मार्च निकाला है और चुनाव में विवाद से बचने की अपील की है.

मराठा सेक्शन में जीजामाता उद्यान के सामने महानगर पालिका चुनाव प्रचार के लिए लगाए गए बैनर को फाड़ने को लेकर दो गुटों के बीच बहस हो गई. पुलिस की टीम ने मौके पर जाकर वहां मौजूद लोगों को भरोसा दिलाया कि घटना के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसके बाद दोनों गुटों के लोगों की भीड़ शांति से मौके से चली गई. उसके बाद विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कोली, पुलिस इंस्पेक्टर (क्राइम) की मौजूदगी में जीजामाता उद्यान - जंगल होटल चौक मेन मार्केट रोड - गवर्नमेंट मैटरनिटी होम, कृषि उत्पन्न बाजार समिति कार्यालय पोलिंग स्टेशन, नोतनदास समाज मंदिर पोलिंग स्टेशन-OT सेक्शन चौक से वापस विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन तक दंगा कंट्रोल रूट मार्च निकाला गया।

इसमें 6 पुलिस ऑफिसर, 25 पुरुष पुलिस ऑफिसर और 5 महिला पुलिस ऑफिसर शामिल हुए। साथ ही, पीटर मोबाइल CRM मोबाइल, PCR मोबाइल, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस जैसी गाड़ियां शामिल थीं। यह जानकारी सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कोली ने दी।

पैनल-15 में काजल अमर जग्यासी के प्रचार ने जोर पकड़ा

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के पैनल 15 में शिवसेना की उम्मीदवार काजल अमर जग्यासी के साथ शिवसेना नेता अरुण आशान, संगीता सपकाले व इंदिरा पाटील चुनावी मैदान में है। इस पैनल में शिवसेना उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार ने जोर पकड़ा है जहां लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। काजल अमर जग्यासी व उनके पति वास्तु विशारद अमर जग्यासी इस पैनल में काफी समय से समाजसेवा का कार्य करते आ रहे हैं। ऐसे में मतदाताओं के बीच वो काफी समय से जुड़े हुए हैं। आज शिवसेना की उम्मीदवारी मिलने से मतदाताओं का भी उन्हें समर्थन मिल रहा है। यहां पर उनका सीधा मुकाबला भाजपा उम्मीदवारों से होगा।

शिवसेना-TOK के 66 उम्मीदवार धनुष-बाण चिह्न पर चुनाव लड़ रहे

शिंदे ग्रुप-TOK का उल्हासनगर में महागठबंधन

उल्हासनगर. इस साल उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव में बड़े राजनीतिक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की शिवसेना और ओमी कलानी की 'TOK' गठबंधन कर रही है। खास बात यह है कि TOK के सभी उम्मीदवार इस साल शिवसेना के ऑफिशियल चुनाव निशान पर चुनाव लड़ रहे हैं।

MP डॉ. श्रीकांत शिंदे की पहल पर बने इस गठबंधन ने 78 में से 77 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। शिवसेना शिंदे ग्रुप 35 सीटों और TOK 31 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और उनका चुनाव निशान तीर-धनुष होगा। जबकि साई पार्टी 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। साई पार्टी चूंकि रजिस्टर्ड पार्टी है, इसलिए वे अपने ही चुनाव निशान पर चुनाव लड़ रहे हैं; लेकिन, जैसे 2017 में TOK ने BJP के 'कमल' निशान पर चुनाव लड़ा था, वैसे ही इस साल वे 'धनुष और तीर' निशान पर मैदान में उतरे हैं।

1997 में पहले चुनाव के बाद, अब बड़ी संख्या में सिंधी

उम्मीदवार धनुष और तीर निशान पर दिख रहे हैं। TOK ने शिवसेना के निशान पर ज़्यादातर सिंधी पुरुष और महिला उम्मीदवारों को मौका दिया है। शिवसेना ने पैनल 15 से बहुत पढ़ी-लिखी सिंधी महिला काजल अमर जग्याशी को मैदान में उतारकर सबका ध्यान खींचा है।

चुनाव प्रचार का नया तरीका

शिवसेना के पारंपरिक गानों के अलावा अब सिंधी गाने भी चुनाव प्रचार में शामिल हो गए हैं। सिंधी इलाके में धनुष और तीर निशान को घर-घर तक पहुंचाने के लिए गठबंधन ने ज़ोरदार तैयारी की है। BJP से गठबंधन टूटने के बाद शिवसेना ने लोकल गठबंधनों से हाथ मिलाकर BJP के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

उम्मीदवारों को 'लिमिट' में ही करना होगा खर्च

- हिसाब देने में उम्मीदवारों की होगी कसरत

उल्हासनगर. चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के लिए कड़े नियम घोषित किए हैं। हालांकि इस साल चुनाव खर्च की लिमिट बढ़ा दी गई है, लेकिन उम्मीदवारों को हर रुपये का हिसाब देने में परेशानी होगी। अब सिर्फ नंबर बताना काफी नहीं होगा, बल्कि हर कैंपेन मीटिंग की फोटो, बिल और मौजूद लोगों की लिस्ट के साथ पूरी रिपोर्ट चुनाव आयोग को जमा करनी होगी।

कैश में 10 हजार रुपये तक खर्च किया जा सकेगा

आयोग ने कैश ट्रांजैक्शन पर लिमिट लगा दी है और कैश में ज़्यादा से ज़्यादा 10,000 रुपये खर्च किए जा सकेंगे। इससे ज़्यादा खर्च चेक, RTGS या ऑनलाइन करना ज़रूरी कर दिया गया है।

हर मीटिंग की फोटो जमा करनी होगी

चुनाव में ट्रांसपेरेंसी लाने के लिए आयोग ने डिजिटल सबूत ज़रूरी कर दिए हैं। उम्मीदवार द्वारा लिए गए हर कोने, पब्लिक मीटिंग या रैली की फोटो अटैच करना ज़रूरी है। साथ ही, उस मीटिंग के लिए इस्तेमाल किए गए पवेलियन, लाउडस्पीकर और

दूसरे सामान का ऑफिशियल बिल भी जमा करना होगा। समय-समय पर खर्चों का हिसाब देना होगा

चुनाव के दौरान, उम्मीदवार को रेगुलर इंटरवल पर वेरिफिकेशन के लिए अपनी खर्च बुक जमा करनी होगी। इसके लिए एक अलग बैंक अकाउंट का इस्तेमाल करना होगा।

खर्चों का ऑडिट होगा

उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए पूरे खर्चों का सरकारी ऑडिटर द्वारा ऑडिट किया जाएगा। अगर खर्चों और असल में किए गए खर्चों में कोई अंतर पाया जाता है, तो अयोग्यता की कार्रवाई की जा सकती है। खर्चों पर सख्त नियमों और हर खर्च का रिकॉर्ड होने की वजह से, उम्मीदवार अब कर्मचारियों पर होने वाले खर्चों पर विचार करने के लिए कदम उठा रहे हैं।

> **खर्चों के नियमों को किया गया है सख्त**
>
>
>
> चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए खर्चों के नियमों को सख्त किया गया है। उम्मीदवारों को हर खर्च की रसीद और सबूत संभाल कर रखना चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
>
> -मनीषा आव्हाले,
> चुनाव अधिकारी व मनपा आयुक्त

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

अमेरिका के दोहरे मापदंड

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच पिछले कुछ समय से बने तनाव का नतीजा अब भयावह रूप में सामने आ रहा है। वेनेजुएला की राजधानी काराकस शुक्रवार देर रात अमेरिका के हवाई हमलों से दहल उठी। इस अभियान के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर देश से बाहर भेज दिया गया है। इस हमले की वजह मादक पदार्थों की तस्करी बताई जा रही है। अमेरिका का आरोप है कि वेनेजुएला नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद को सीमा पार बढ़ावा दे रहा है। मगर सवाल है कि क्या कोई शक्तिशाली देश इस तरह की समस्या से निपटने के लिए किसी छोटे और कमजोर राष्ट्र पर हमला कर सकता है? वह भी अमेरिका जैसा देश, जहां के राष्ट्रपति दुनिया के विभिन्न देशों के बीच युद्ध रुकवाने का दावा करते नहीं थकते हैं और खुद को शांति के नोबेल पुरस्कार का दावेदार घोषित कर चुके हों! ऐसे में अमेरिका की इस कार्रवाई को दोहरा मानदंड नहीं, तो और क्या कहा जाएगा।

दरअसल, अमेरिका का दावा है कि वेनेजुएला को कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। यहां इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि अमेरिका ने वर्षों पहले इराक पर यह आरोप लगाकर हमला किया था कि वहां रासायनिक हथियारों का जखीरा मौजूद है। मगर इसका कोई ठोस प्रमाण आज तक सामने नहीं आया है। जहां तक वेनेजुएला से अमेरिका में नशीले पदार्थों की तस्करी की बात है, तो इस मसले को द्विपक्षीय बातचीत या फिर अंतरराष्ट्रीय अदालत के जरिए सुलझाया जा सकता है।

वेनेजुएला ने तो पिछले सप्ताह अमेरिका के साथ समझौते पर बातचीत के लिए हामी भी भर दी थी। फिर क्या वजह रही कि अमेरिका ने वार्ता के बजाय हमले को चुना, इस कार्रवाई पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कुछ लोग अमेरिका के इस हमले को वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन के इरादे से जोड़कर भी देख रहे हैं। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने भी पिछले दिनों एक साक्षात्कार में इस ओर इशारा किया था कि अमेरिका उनके देश में तख्ता पलट कर वहां के विशाल तेल भंडार तक अपनी पहुंच आसान बनाना चाहता है।

वैश्विक ढांचे के लिए संकट बन रहे नियमों की दुहाई देने वाले देश

आज अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था कमजोर होती जा रही है। कई देश खुले तौर पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून सभी देशों पर समान रूप से लागू नहीं हो रहे। देश अब अपने हितों के लिए अकेले फैसले ले रहे हैं। दुनिया में युद्ध और हिंसा बढ़ रही है। जो देश नियम आधारित विश्व व्यवस्था की दुहाई देते थे आज वे ही वैश्विक व्यवस्था के लिए संकट बनते जा रहे हैं।

नियम आधारित विश्व व्यवस्था का मूल उद्देश्य संप्रभुता का सम्मान, क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन जैसी प्रमुख बातें थीं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं-संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, विश्व व्यापार संगठन और बहुपक्षीय संधियां इसी व्यवस्था का मजबूत स्तंभ थीं, परंतु आज स्थिति यह है कि नियमों का पालन केवल तब किया जाता है, जब वे शक्तिशाली देशों के हितों के अनुकूल हों।

जहां हित टकराते हैं, वहां नियमों की व्याख्या बदल जाती है या उन्हें अनदेखा कर दिया जाता है। वेनेजुएला और ईरान की घटनाएं दर्शाती हैं कि किस प्रकार आर्थिक प्रतिबंध तथा बाहरी शक्तियों का खुला हस्तक्षेप आज वैश्विक राजनीति में एक घातक हथियार बन चुका है।

वेनेजुएला के मामले में आंतरिक राजनीतिक संकट और लोकतंत्र की दुहाई देते हुए बाहरी शक्तियों ने न केवल खुला राजनीतिक हस्तक्षेप किया है, बल्कि सत्ता परिवर्तन को प्रोत्साहित करने की नीति भी अपनाई। सरकार की

वैधता को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौती दी गई, समानांतर सत्ता संरचनाओं को मान्यता दी गई और तेल, वित्तीय लेन-देन तथा विदेशी निवेश पर कठोर प्रतिबंध लगाए गए।

इसी प्रकार ईरान पर लगाए गए प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून में समानता और निष्पक्षता के सिद्धांत पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। ईरान एनपीटी का हस्ताक्षरकर्ता है और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) की निगरानी व्यवस्था को स्वीकार करता रहा है। इसके बावजूद उस पर लगाए गए एकतरफा और बहुपक्षीय प्रतिबंधों की तीव्रता यह दर्शाती है कि नियमों की व्याख्या राजनीतिक हितों के अनुसार की जाती है। इन प्रतिबंधों का प्रत्यक्ष प्रभाव वेनेजुएला तथा ईरान की पहले से कमजोर होती अर्थव्यवस्था पर पड़ा।

तेल निर्यात पर निर्भर देश की विदेशी मुद्रा आय में भारी गिरावट आई, मुद्रास्फीति बेकाबू हो गई और बुनियादी वस्तुओं की कमी हो गई। स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गईं, कुपोषण बढ़ा और लाखों नागरिक बेहतर जीवन की तलाश में देश छोड़ने को विवश हुए। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि नियम आधारित विश्व व्यवस्था की मूल भावना- समानता, न्याय और संप्रभुता का सम्मान खोती जा रही है। विश्व तेजी से एक बहुध्रुवीय संरचना की ओर बढ़ रहा है, क्षेत्रीय शक्तियां अधिक मुखर हो रही हैं।

ऐसे समय में भारत एक संतुलनकारी भूमिका निभा सकता है, जो रणनीतिक स्वायत्तता, संवाद और बहुपक्षीयता में विश्वास रखता है। पिछले एक दशक में भारत ने अपनी विदेश नीति को नागरिक-केंद्रित और मानवीय दृष्टिकोण पर आधारित किया है। वैश्विक संघर्षों और ध्रुवीकृत अंतरराष्ट्रीय राजनीति के बीच भारत ने किसी एक पक्ष में कठोरता से खड़े होने के बजाय संघर्षरत सभी पक्षों से संवाद बनाए रखने की नीति अपनाई है।

इस संतुलित दृष्टिकोण ने न केवल भारत को एक विश्वसनीय और उत्तरदायी वैश्विक भागीदार के रूप में स्थापित किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि मानव जीवन और गरिमा की रक्षा होना चाहिए। भारत ने संकटग्रस्त क्षेत्रों, आपदाग्रस्त देशों को मानवीय सहायता तथा खाद्य, स्वास्थ्य और ऊर्जा सुरक्षा जैसे मूलभूत विषयों को प्राथमिकता देकर यह स्पष्ट किया है कि भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर नागरिकों की आवश्यकताएं हैं।

इस दृष्टिकोण के माध्यम से भारत ने केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा ही नहीं की, बल्कि विकासशील देशों और वैश्विक दक्षिण की उन चिंताओं को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुखरता से उठाया, जिन्हें लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाता रहा। भारत ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की संरचनात्मक सीमाओं और प्रतिनिधित्व की कमी की ओर भी लगातार ध्यान आकर्षित किया है।

जवाबदेही के बजाए दिया जा रहा मुआवजा

इंदौर में पेयजल दूषित होने की वजह से कई लोगों की मौत के बाद राहत के तौर पर सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा की गई, लेकिन सवाल है कि क्या कुछ रस्मी औपचारिकताएं पूरी करना इस समस्या का हल हो सकता है! सबसे जरूरी था कि इस घटना के बाद निचले स्तर के संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के समांतर शीर्ष स्तर पर बरती गई लापरवाही के लिए भी जिम्मेदारी तय की जाती। मगर ऐसा लगता है कि इसे किसी सामान्य हादसे की शक्ल में देखा जा रहा है। वरना क्या कारण है कि इतने गंभीर मामले के बाद भी सरकार के रवैये में एक अफसोसनाक उदासीनता दिख रही है।

इसकी जिम्मेदारी लेने के बजाय वहां के एक मंत्री सवालों को जिस तरह बेमानी बता रहे थे, उसमें एक विचित्र उपेक्षाभाव था। अव्वल तो पेयजल जैसी सबसे बुनियादी जरूरत के पूरी तरह सुरक्षित होने को लेकर सरकार अपनी ओर से सजग रहती, लेकिन इसके बजाय मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को यह आदेश देना पड़ा है कि प्रभावित इलाके में पीने के पानी के अतिरिक्त टैंकर भेजे जाएं।

इस घटना से फिर यही जाहिर हुआ है कि महज हादसा या चूक मानी जाने वाली कई घटनाएं अक्सर अधिकारियों की अदूरदर्शिता, लंबे समय से बरती जाने वाली लापरवाही और कई बार जानबूझ कर की गई उपेक्षा का नतीजा होती हैं। इंदौर के जिस इलाके में पेयजल दूषित होने की घटना सामने आई, क्या ऐसा अचानक हो गया होगा? अगर फिलहाल आई खबरों पर ही भरोसा किया जाए कि पानी की आपूर्ति वाले

पाइप में गंदे नाले का पानी मिल गया, तो इस पर निगरानी रखना किसकी जिम्मेदारी है? एक बार पेयजल की पाइप बिछा देने के बाद उसमें पानी आ रहा है या नहीं या फिर वह पीने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, इसकी नियमित जांच करने, गड़बड़ियों की निगरानी करने का दायित्व किस पर है?

अगर संबंधित महकमे में निचले स्तर पर तैनात कर्मचारी लापरवाही बरत रहे थे, तो इसका ध्यान रखना किसका काम था? इस गंभीर घटना के बाद सवाल उठने और कठघरे में खड़ा किए जाने के बाद जहां सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेकर सख्त संदेश देने वाली कार्रवाई करनी चाहिए थी, वहां उसके मंत्री संवेदनहीन, अवांछित और गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी कर रहे थे। अफसोस की बात यह भी है कि इस समूचे मामले में केंद्र सरकार ने एक तरह से विचित्र चुप्पी साधे रखी और उसकी ओर से कुछ नहीं किया गया। जबकि पिछले कई वर्षों से स्वच्छता के लिए तमगा जीतने वाले इंदौर में दूषित पेयजल से जिस तरह की त्रासद घटना सामने आई, वैसे में पीड़ित परिवारों से लेकर देश भर के आम लोग यह उम्मीद करते हैं कि इसकी गंभीरता के मद्देनजर केंद्र सरकार दखल देगी।

दरअसल, ऐसे नाजुक मौकों पर सबसे ज्यादा जरूरी यह होता है कि सरकार आम लोगों के प्रति संवेदनशील दिखे और इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने देने का भरोसा दे। मगर कम से कम इस मामले में सच यह है कि लोगों का सरकार पर से भरोसा बुरी तरह टूटा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि राष्ट्रीय स्तर पर 'हर घर नल जल' योजना के तहत सभी नागरिकों को पीने का स्वच्छ और शुद्ध पानी मुहैया कराने के दावे किए जाते रहे हैं। मगर पेयजल को लोगों तक पहुंचाने के रास्ते में अगर किसी भी वजह से ऐसी लापरवाही होती है कि उससे लोगों की जान पर खतरा आ जाए, तो ऐसे दावों को किस तरह देखा जाएगा।

दुनिया की वो मकड़ी, जो बनाती है सबसे महंगा सिल्क

जब हम रेशम की बात करते हैं तो सबसे पहले शहतूत (मलबरी) सिल्क और तसर सिल्क का नाम आता है. भारत में तसर सिल्क को बहुत

जरा हट के

पसंद किया जाता है क्योंकि यह मजबूत, चमकदार और पर्यावरण-अनुकूल होता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्रकृति ने इससे भी कई गुना बेहतर रेशम छिपा रखा है?

जी हां, बात हो रही है गोल्डन सिल्क ऑर्ब-वीवर मकड़ी की, जिसका वैज्ञानिक नाम Trichonephila clavipes या Nephila है. इस मकड़ी का रेशम ना सिर्फ तसर सिल्क से बेहतर है बल्कि यह दुनिया का सबसे दुर्लभ और महंगा प्राकृतिक रेशम माना जाता है. यह मकड़ी मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों जैसे मेडागास्कर, दक्षिण-पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के जंगलों में पाई जाती है. मादा मकड़ियां काफी बड़ी होती हैं, लगभग 4-5 सेमी तक और

इनके जाले सुनहरे रंग के होते हैं, जो सूरज की रोशनी में चमकते हैं. इस सुनहरे रंग का राज प्राकृतिक पिगमेंट्स जैसे कैरोटेनॉइड्स और अन्य यौगिकों में छिपा है, जो रेशम को प्राकृतिक रूप से गोल्डन ह्यू देते हैं. इसमें कोई डाई नहीं लगाई जाती, फिर भी यह रेशम सोने जैसा चमकता है. तसर सिल्क की तुलना में गोल्डन स्पाइडर सिल्क खास है. तसर सिल्क जंगली कीड़ों से बनता है और मजबूत होता है, लेकिन स्पाइडर सिल्क की ताकत इससे कई गुना ज्यादा है. विशेषज्ञों के अनुसार, गोल्डन ऑर्ब-वीवर का ड्रैगलाइन सिल्क स्टील से 5 गुना ज्यादा मजबूत और केव्लर (बुलेटप्रूफ जैकेट का मटेरियल) से भी बेहतर होता है. इसकी लचीलापन (elasticity) इतनी ज्यादा है कि यह आसानी से टूटता नहीं है. वैज्ञानिक इसे बायोमटेरियल साइंस में 'सुपरमटेरियल' कहते हैं.

इस रेशम की सबसे बड़ी उपलब्धि 2009 में सामने आई जब ब्रिटिश और अमेरिकी उद्यमियों साइमन पीयर्स और निकोलस गॉडली ने मेडागास्कर में 80 लोगों की टीम के साथ 4 साल तक काम किया. उन्होंने 12 लाख से ज्यादा मादा मकड़ियों से रेशम निकाला मकड़ियों को बाद में जंगल में छोड़ दिया गया.

अचारी पनीर

मसाला बनाने के लिए:
- **सौंफ:** 1 छोटा चम्मच
- **राई :** आधा छोटा चम्मच
- **मेथी दाना:** एक चौथाई छोटा चम्मच
- **कलौंजी: एक चौथाई छोटा चम्मच**
- **जीरा:** आधा चम्मच
- **साबुत सूखी लाल मिर्च:** 2

ग्रेवी और पनीर के लिए:
- **पनीर:** 250 ग्राम
- **सरसों का तेल:** 2-3 बड़े चम्मच
- **प्याज:** 2
- **अदरक-लहसुन का पेस्ट:** 1 बड़ा चम्मच
- **टमाटर प्यूरी:** 2 टमाटर की
- **दही:** आधा कप (फेंटा हुआ)
- **हल्दी पाउडर:** आधा छोटा चम्मच
- **कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर:** 1 छोटा चम्मच (रंग के लिए)
- **नमक:** स्वादानुसार
- **ताजा हरा धनिया:** गार्निश के लिए
- **कसूरी मेथी:** 1 छोटा चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले एक पैन को हल्का गर्म करें और उसमें अचारी मसाले की सभी सामग्री (सौंफ, राई, मेथी, कलौंजी, जीरा, सूखी मिर्च) डालें। इन्हें धीमी आंच पर 1-2 मिनट तक भूनें जब तक कि हल्की खुशबू न

आने लगे। ठंडा होने पर इसे दरदरा पीस लें। इसके बाद, एक कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें। अब आंच धीमी करें और इसमें बारीक कटा हुआ प्याज डालें। प्याज को सुनहरा भूरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और एक मिनट तक पकाएं। अब कड़ाही में टमाटर की प्यूरी डालें। साथ ही हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालें। इसे तब तक पकाएं जब तक कि मसाले से तेल अलग न होने लगे। अब इसमें वह 'अचारी मसाला' डालें. फिर गैस की आंच बिल्कुल धीमी कर दें और फेंटा हुआ दही डालें। दही डालते समय चमचे से लगातार चलाते रहें ताकि दही फटे नहीं। इसे 2-3 मिनट तक अच्छे से पकने दें। अब ग्रेवी में पनीर के टुकड़े डालें। अगर ग्रेवी गाढ़ी लगे, तो आधा कप गर्म पानी मिला लें। ऊपर से कसूरी मेथी को हाथों से रगड़ कर डालें। ढक्कन लगाकर 2-3 मिनट धीमी आंच पर पकाएं ताकि पनीर मसालों को सोख ले। आखिर में गैस बंद करें और ऊपर से ताजा हरा धनिया डालें।

वेट लॉस करना चाहते हैं, तो खाना छोड़ दें ये 4 चीजें

वरना कभी कम नहीं होगा वजन

वजन घटाने की यात्रा में सबसे बड़ी चुनौती जिम में पसीना बहाना नहीं, बल्कि अपनी रसोई और डाइनिंग टेबल पर अनुशासन बनाए रखना है। हम अक्सर यह सोचते हैं कि थोड़ा-सा मीठा या थोड़ा-सा तला हुआ खाना कोई नुकसान नहीं करेगा, लेकिन यही छोटी-छोटी गलतियां हमारे मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देती हैं। अगर आप वाकई सचमुच वजन कम करना चाहते हैं, तो आपको अपनी डाइट में से कुछ चीजों को बाहर कर देना चाहिए। दरअसल, कुछ फूड्स आपका वजन बढ़ाए रखते हैं, फिर चाहे आप कितनी ही एक्सरसाइज क्यों न कर लें। आइए जानें इन फूड्स के बारे में।

चीनी और शुगरी ड्रिंक्स

चीनी वजन घटाने की राह में सबसे बड़ा दुश्मन है। सफेद चीनी में केवल कैलोरी होती है, पोषण बिल्कुल नहीं। जब आप ज्यादा चीनी खाते हैं, तो शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है, जो फैट बर्निंग प्रक्रिया को रोक देता है।

इसलिए सोडा, कोल्ड ड्रिंक्स, पैकेट बंद जूस, मिठाई और चाय-कॉफी में एक्स्ट्रा चीनी लेने से बचें। अगर आपको मीठे की तलब हो, तो सीमित मात्रा में गुड़, शहद या ताजे फलों खाएं।

मैदा और रिफाइंड कार्ब्स

मैदा को 'सफेद जहर' भी कहा जाता है, क्योंकि प्रोसेसिंग के दौरान इसके सारे फाइबर और पोषक तत्व निकाल दिए जाते हैं। यह पेट में जाकर चिपक जाता है और पाचन को धीमा कर देता है। मैदे से बनी चीजें शरीर में ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाती हैं, जिससे आपको जल्दी भूख लगती है।

इसलिए पिज्जा, पास्ता, सफेद ब्रेड, बिस्कुट, समोसे और भटूरे आदि से परहेज करें। मैदे की जगह होल ग्रेन, जैसे- ओट्स, रागी, बाजरा या चोकर वाले आटे का इस्तेमाल करें।

फ्राइड और जंक फूड

जंक फूड और डीप फ्राइड चीजों में 'ट्रांस फैट' और 'सैचुरेटेड फैट' की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ये न केवल वजन बढ़ाते हैं, बल्कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ाकर दिल की बीमारियों का खतरा भी पैदा करते हैं। इनमें नमक की मात्रा भी ज्यादा होती है, जिससे शरीर में वॉटर रिटेंशन होता है और आप फूले हुए नजर आते हैं।

तले हुए खाने की जगह बेक, ग्रिल या स्टीम किए फूड्स फायदेमंद हैं। साथ ही, स्नैकिंग के लिए मखाना या भुने हुए बेहतर विकल्प हैं।

प्रोसेस्ड और पैकेट बंद खाना

आजकल 'लो-फैट' या 'डाइट स्नैक्स' के नाम पर जो पैकेट बंद चीजें मिलती हैं, वे अक्सर सेहत के लिए हानिकारक होती हैं। इनमें प्रिजर्वेटिव्स, शुगर और छिपी हुई कैलोरी होती है जो वजन कम करने के बजाय उसे बढ़ा देती हैं।

इसलिए पैकेट वाले सूप, रेडी-टू-ईट मील, प्रोसेस्ड मीट और डाइट नमकीन से परहेज करें। इनकी जगह हमेशा ताजा और घर का बना खाना ही खाएं।

आज का राशिफल

मेष : कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग उलझे मामले सुलझाने में सहायक हो सकेगा। वाहन सावधानी से चलाएँ।

वृषभ : चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएँगे।

मिथुन : राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। व्यापार में नई योजनाएँ बनेंगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

कर्क : भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएँ बनेंगी। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। लाभदायक समाचार मिलेंगे।

सिंह : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं।

कन्या : उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

तुला : रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएँ रखें। धनार्जन होगा।

वृश्चिक : अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। पूर्व कर्म फलीभूत होंगे। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

धनु : बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक चिंताएँ दूर होंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। रुके हुए काम समय पर होने की संभावना है। विरोधी परास्त होंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। धैर्य एवं संयम बना रहेगा।

कुंभ : दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएँगे। संतान के कार्यों में उन्नति के योग हैं।

मीन : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कहीं मिलावटी सरसों के तेल में तो नहीं बना रहे खाना

घर बैठे इन 6 आसान ट्रिक्स से करें सरसों तेल की शुद्धता की पहचान

सरसों का तेल हर भारतीय घरों में वर्षों से इस्तेमाल किया जा रहा है. इसकी तीखी झांस, खुशबू जबरदस्त होती है. सब्जी हो या फिर नॉनवेज आइटम, अधिकतर लोग सरसों तेल का ही इस्तेमाल करते हैं. सरसों तेल की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दियों में इससे मालिश करने से गर्माहट मिलती है. हड्डियां, जोड़ों और शरीर का दर्द कम होता है. स्किन और बाल हेल्दी रहते हैं. सरसों तेल में विटामिन ई, ओमेगा-3, 6, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल गुण होते हैं, जो शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं. हार्ट के लिए भी ये तेल बेस्ट माना गया है. हालांकि, आजकल बाजार में मिलावटी सरसों का तेल भी मिलने लगा है. ऐसे में इसे इस्तेमाल करने से पहले आप घर पर कुछ आसान से टेस्ट करके सरसों के तेल की शुद्धता को पहचान सकते हैं.

-सरसों का तेल असली है या नकली, इसे जानने के लिए आप पेपर पर कुछ बूंदें डालें. जब पेपर पर गहरा पीला रंग छोड़े तो समझ लें तेल में मिलावट की गई है. कुछ बूंद तेल को हथेली पर डालकर रगड़ें. यदि हथेलियों पर रगड़ने से रंग ना छूटे, चिकनाई बनी रहे और तीखी गंध आए तो समझ लें तेल असली और शुद्ध है. रंग छोड़ दे तो तेल नकली है.

आप फ्रिज में भी सरसों तेल के शुद्ध-अशुद्ध होने की पहचान कर सकते हैं. थोड़ा सा सरसों का तेल

एक बाउल में डालें और इसे फ्रीजर में रख दें. असली होगा तो इसमें वाइट रंग के धब्बे नहीं बनेंगे और ना ही जमेगा. ये लिक्विड फॉर्म में ही रहेगा. नकली होगा तो तेल जम जाएगा, सफेद धब्बे भी पड़ जाएंगे. इसका मतलब ये है कि सरसों के तेल में पाम ऑयल की मिलावट की गई है.

जब आप किसी भी चीज को पकाने के लिए कड़ाही या कुकर में तेल गर्म करते हैं तो तेल से धुआं निकलेगा और इसकी तीखी गंध होगी, जो आंखों में तेज लगेगी. नकली तेल में धुआं बहुत कम उठेगा और आंखों में लगेगा भी नहीं, क्योंकि इसका गंध बहुत हल्का, फीका होगा.

सरसों का तेल आधा छोटा चम्मच एक टेस्ट ट्यूब में डालें. अब इसमें कुछ बूंदें नाइट्रिक एसिड की डालें. इसे धीरे-धीरे हिलाएं. अब इस मिश्रण को दो मिनट के लिए गर्म करें. तेल का रंग गर्म करते ही लाल हो जाए तो समझ लें कि तेल में मिलावट किया गया है.

रंग से भी जान सकते हैं कि तेल शुद्ध है या अशुद्ध. सरसों के तेल का रंग काफी गाढ़ा होता है. रंग अगर बेहद हल्का पीला है तो ये अशुद्ध तेल हो सकता है.

सूंघ कर इसकी खुशबू से पहचान सकते हैं कि तेल असली है या नकली. सरसों के तेल को स्मेल करने से नाक में जलन होगी, तीखी लगेगी, ऐसा महसूस ना हो तो समझ लें कि तेल में मिलावट है. अशुद्ध है तेल.

सरसों तेल में किस चीज की मिलावट की जाती है- आमतौर पर सरसों के तेल में राइस ब्रान तेल, घटिया किस्म का पाम ऑयल अधिक मिलाया जाता है, जो सेहत के लिए हानिकारक होते हैं.

घर पर ही करें पेडीक्योर

अपनाएं बेसन और टमाटर का ये उपाय

पैरों को मिलेगा आकर्षक रूप

पेडीक्योर एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें पैरों की देखभाल की जाती है, जिससे वे आकर्षक और स्वस्थ दिखें. घर पर पेडीक्योर करना बहुत आसान है और इससे आपको कई फायदे हो सकते हैं. पेडीक्योर करने से पैरों की त्वचा नरम और स्वस्थ रहती है, नाखून मजबूत और आकर्षक दिखते हैं, और पैरों की दुर्गंध और पसीने की समस्या से छुटकारा मिलता है.

पेडीक्योर करने के लिए आपको कुछ विशेष सामग्री की आवश्यकता होती है, जैसे कि गर्म पानी, नमक, शैंपू, बेसन, टूथपेस्ट, टमाटर का पेस्ट, नींबू, चीनी, हल्दी पाउडर, बेकिंग सोडा, और मॉइश्चराइजर. इन सभी सामग्रियों को मिलाकर आप घर पर पेडीक्योर कर सकते हैं.

बेसन और टूथपेस्ट का पेस्ट

सबसे पहले, एक बर्तन में गर्म पानी लें और इसमें एक चम्मच नमक और शैंपू डालें. फिर इसमें अपने पैरों को 15 मिनट के लिए रखें और हल्के हाथों से रगड़कर साफ करें. नेल कटर से अपने नाखूनों को अच्छा सेफ दें.

एक बर्तन में बेसन, टूथपेस्ट, और टमाटर का पेस्ट डालकर उसे अच्छे से मिक्स करें. इस पेस्ट को अपने पैरों पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें. फिर हल्के हाथों से मसाज करें और गुनगुने पानी से धो लें.

नींबू और चीनी का स्क्रब

आधा नींबू लें और इसके ऊपर एक चम्मच चीनी, हल्दी पाउडर, और शैंपू डालें. इस मिश्रण को अपने पैरों पर लगाकर अच्छे से मसाज करें. फिर गुनगुने पानी से धो लें और मॉइश्चराइजर लगाएं.

बेकिंग सोडा और नींबू का पेस्ट

गर्म पानी में आधा नींबू का रस, बेकिंग सोडा, और शैंपू डालें. इस मिश्रण में अपने पैरों को आधा घंटा के लिए रखें. फिर गुनगुने पानी से धो लें और मॉइश्चराइजर लगाएं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

नेशनल हाइवे पर 'चांदी की बारिश', लूटने की मची होड़, गाड़ी रोक-रोककर बटोरते रहे लोग

हापुड़. सड़क पर गाड़ियों से अक्सर तेल गिरने, मछलियां गिरने, कई बार मुर्गियां बिखरने और इनकी लूट मचने के मामले सामने आते रहे हैं। सोमवार को हापुड़-बुलंदशहर हाईवे पर उस समय अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो गई, जब सड़क पर अचानक चांदी की बारिश हो गई और उसे लूटने के लिए लोगों में होड़ मच गई। सड़क पर चांदी के जेवरात के टुकड़े देखकर लोग गाड़ी रोक-रोककर उसे उठाते रहे। देखते ही देखते हाईवे पर भारी भीड़ जमा हो गई और लोग सड़क पर टूट पड़े। देखने से ऐसा लग रहा था कि चांदी पुराने जेवरों को गलाने के लिए टुकड़ों में भेजा जा रहा था और बोरा या बैग खुलने के कारण यह सड़क पर बिखर गए थे।

23 करोड़ को 50 लाख करने की 1.5 करोड़ में डील GST अफसर प्रभा भंडारी पर और कसेगा शिकंजा

सीजीएसटी की डिप्टी डायरेक्ट प्रभा भंडारी और उनके करीबियों की गिरफ्तारी के बाद सस्पेंसन भी हो गया है। अब इनकी पुरानी फाइलें भी खोली जा रही हैं और शिकंजा कसा जा रहा है। जांच में सामने आया है कि एक फर्म के 23 करोड़ रुपये के टैक्स बकाया को निपटाने के लिए 1.5 करोड़ में सौदेबाजी हुई थी। फर्म को 23 करोड़ की जगह केवल 50 लाख टैक्स जमा करना था। यानी राजस्व को सीधे 22.5 करोड़ का चूना एक व्यापारी लगाने जा रहा था। सूत्रों की मानें तो कार्रवाई के दौरान पकड़ी गई करोड़ों की कर चोरी के बाद डिलिंग शुरू हुई। नियम के तहत 50 प्रतिशत जुर्माना व 5 साल के ब्याज के साथ टैक्स वसूला जाना था। इस पर कारोबारी के ऊपर 23 करोड़ रुपए जमा करने का दबाव बनाया गया। इसको लेकर वकील नरेश से संपर्क किया। नरेश ने सुपरिटेंडेंट अनिल तिवारी और अजय शर्मा से बात की। दोनों ने 23 करोड़ की राशि कम कराने के बदले दो करोड़ की डील की। बात करते-करते यह 1.5 करोड़ पर आ गई।

चाची के प्यार में कसाई बना भतीजा, गला काटकर चाचा को मौत के घाट उतारा

कानपुर. यूपी के कानपुर देहात से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां चाची से प्यार के चलते भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अमरौधा कस्बे के रहने वाले ट्रक चालक की हत्या उसकी पत्नी के इशारे पर भतीजे ने ही की थी। घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने उसकी पत्नी व भतीजे को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों का चालान कर दिया। अमरौधा कस्बे के कटरा मोहल्ला के रहने वाले ट्रक चालक चालीस वर्षीय मो. कलीम की 27 दिसंबर की रात में गला काटकर हत्या कर दी गई थी। दूसरे दिन उसका शव घर के अंदर चारपाई पर पड़ा मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस की पूछताछ में उसकी पत्नी शमा परवीन ने पारिवारिक चाचा नूर मोहम्मद की पुत्री की शादी को लेकर चल रहे कार्यक्रमों में जाने की बात कही थी। इसके बाद पुलिस ने आत्महत्या की बात कहकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा था।

तीन साल छोटे भांजे के साथ मामी फरार, मासूम बिटिया का भी नहीं रहा ख्याल, पति पहुंचा थाने

देवरिया. उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक महिला खुद से तीन वर्ष छोटे भांजे के प्रेम में इस कदर अंधी हुई कि उसने न केवल सात जन्मों के वैवाहिक बंधन को तोड़ा, बल्कि अपनी तीन साल की मासूम बेटी की ममता को भी पैरों तले रौंद दिया। आर्थिक तंगी दूर करने के लिए सात समंदर पार सऊदी अरब में पसीना बहा रहे पति को जब इस धोखे की भनक लगी तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। वह भी गांव पहुंचा और पत्नी के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। मामला बनकटा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। गांव निवासी एक युवक अपनी पत्नी और इकलौती बेटी के भविष्य को संवारने और घर की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए सऊदी अरब में नौकरी करने गया था। पीछे घर पर उसकी पत्नी रहती थी।

सोमनाथ पर गजनवी के आक्रमण के 1000 साल

यह विध्वंस नहीं, हमारे स्वाभिमान की गाथा; मिटाने वाले खत्म हो जाते हैं -PM नरेंद्र मोदी

पीएम मोदी ने गुजरात के प्रभास पाटन में बने पहले ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर पर एक लेख लिखा है। यह ब्लॉग पोस्ट सोमनाथ पर 1026 में हुए पहले आक्रमण के हजार साल पूरे होने पर है। पीएम ने इसे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व नाम दिया है। गौरतलब है कि विदेशी आक्रमणकारी गजनी के महमूद गजनवी ने जनवरी 1026 में सोमनाथ पर आक्रमण कर उसे ध्वस्त कर दिया था।

पीएम मोदी का लेख....

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है...सौराष्ट्रे सोमनाथं च...यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है।

शास्त्रों में ये भी कहा गया है- सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते। लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

अर्थात्, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है।

दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ मंदिर, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण कर उसे ध्वस्त कर दिया था।

यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था। फिर भी एक हजार साल बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को पुनःनिर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था।

दिल्ली में बीच सड़क पैंट उतारकर युवक को पीटा

नई दिल्ली. दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में एक पिता और बेटे के साथ खुलेआम मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 2 जनवरी की है, जिसका CCTV फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखा कि कुछ लोग एक युवक को उसके घर से घसीटकर बाहर लेकर गए।

सड़क पर ले जाकर आरोपियों ने युवक की पैंट उतार दी और और लातों से उसकी पिटाई की। CCTV फुटेज में दिखा कि घटना के दौरान दो पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। फिर भी आरोपियों ने युवक की पिटाई करनी नहीं छोड़ी।

पुलिस ने भी पीड़ित को बचाने, हमलावरों को रोकने या उन्हें पकड़ने की कोशिश नहीं की। जब आरोपियों ने खुद हमला करना रोका, तब एक पुलिसकर्मी ने पीड़ित को उसकी पैंट लाकर दी। इस दौरान हमलावर पुलिसवालों के साथ, उनके आसपास खड़े रहे।

टेबल पर नोटों का ढेर, सामने बैठे TMC नेता

- कैश से भरा थैला लेकर पहुंचा शख्स
- भाजपा बोली- तृणमूल कांग्रेस बंगाल को लूट रही

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में चुनावी हलचल के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो क्लिप पर विवाद हो गया है। वीडियो में एक टेबल पर नोटों का ढेर दिख रहा है। टेबल के एक तरफ, तृणमूल कांग्रेस (TMC) नेता बैठे नजर आ रहे हैं। उनके सामने, टेबल के दूसरी तरफ 4-5 लोग बैठे हैं।

न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार, वीडियो में दिख रहे TMC नेता मोहम्मद गियासुद्दीन मंडल हैं। वे नॉर्थ 24 परगना जिले की बारासात-1 पंचायत समिति के उपाध्यक्ष हैं। वीडियो में उनके साथ स्थानीय बिजनेसमैन रकीबुल इस्लाम बैठे हैं। क्लिप में TMC नेता फोन पर बंगाली भाषा में किसी से बात करते दिख रहे हैं।

दूसरी तरफ से एक व्यक्ति की आवाज आती है। वह TMC नेता से पूछता है- खरीदारी कैश में होगी या फाइनेंस पर। इस दौरान एक अन्य व्यक्ति नायलॉन बैग (थैला) लेकर आता है और टेबल पर रख देता है। उस थैले में भी नोटों के बंडल हैं। TMC नेता मंडल थैला अपने पास रख लेते हैं।

भाजपा बोली- तृणमूल कांग्रेस बंगाल को लूट रही

वीडियो के सामने आने के बाद TMC पर अवैध नकद लेनदेन के आरोप लग रहे है। भाजपा ने TMC नेता के खिलाफ जांच की मांग की। भाजपा नेता तुषार कांति घोष ने 4 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर वायरल वीडियो शेयर करते हुए दावा किया कि यह 2022 का वीडियो है।

तुषार घोष ने X पर लिखा- अमित शाह कैसे कह सकते हैं कि बंगाल गरीब है? बारासात में पंचायत समिति के उपाध्यक्ष गियासुद्दीन मंडल नोटों के ढेर के सामने बैठे हैं। उनका दावा है कि यह जमीन सौदे का पैसा है! डिजिटल भुगतान, चेक, बैंक ट्रांसफर के इस युग में भी लोग कैश में पेमेंट भुगतान कर रहे हैं। वहीं, भाजपा नेता तपस मित्रा ने TMC नेता पर भूमि माफिया होने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय एजेंसियों से तत्काल जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस बंगाल को लूट रही है और प्रवर्तन निदेशालय (ED) से जांच होनी चाहिए।

उमर खालिद-शरजील को जमानत नहीं मिली

- सुप्रीम कोर्ट ने एक साल अपील करने पर रोक लगाई
- 5 आरोपियों को बेल

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया। हालांकि 5 अन्य आरोपियों को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उमर और शरजील एक साल तक इस मामले में जमानत याचिका दाखिल नहीं कर सकते हैं।

दरअसल, उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद दिल्ली दंगों के आरोप में 5 साल 3 महीने से तिहाड़ में हैं। इन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में उन्हें गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत जमानत देने से इनकार किया गया था।

उमर जमानत के लिए निचली अदालत से सुप्रीम कोर्ट तक 6 बार याचिका लगा चुका है। दिल्ली में फरवरी, 2020 में हिंसा भड़की थी। इसमें 53 लोगों की मौत हुई थी। 250 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। 750 से ज्यादा FIR दर्ज की गईं।

खालिद ने अब तक 6 बार जमानत याचिकाएं लगाईं

दिल्ली दंगा मामले में खालिद और शमीम समेत 7 आरोपियों को मई से सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया गया। तब से ये सभी जेल में हैं। इन पर आपराधिक साजिश, दंगा, गैरकानूनी सभा के साथ-साथ गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत कई अपराधों का आरोप लगाया गया है। खालिद ने जमानत के लिए निचली अदालत से सुप्रीम कोर्ट तक 6 बार याचिकाएं लगाईं। हर बार याचिका खारिज हो गईं।

उमर खालिद ने कहा- अब जेल ही मेरी जिंदगी

उमर खालिद की साथी बानो ज्योत्सना लाहिरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि उमर ने उनसे बातचीत में कहा- जिन लोगों को जमानत मिली है, उनके लिए मैं बहुत खुश हूं। मुझे राहत है। अब तो जेल ही मेरी जिंदगी बन गई है।

बानो ने यह भी लिखा कि जब उन्होंने उमर से कहा कि वह अगले दिन मुलाकात के लिए आएंगी, तो उमर ने जवाब दिया- ठीक है, आ जाना... अब तो यही मेरी जिंदगी है।

भाजपा का दावा- राहुल वियतनाम के दौरे पर

भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर जाने का दावा किया है। वहीं, आरोप लगाया है कि वह वियतनाम में भारत विरोधी लोगों के मेहमान बनकर देश के खिलाफ बोलेंगे। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को कहा कि राहुल गांधी विदेश जाकर भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम करते हैं। उन्होंने कांग्रेस से मांग की कि यह साफ किया जाए कि राहुल गांधी को विदेशों में कौन लोग और किन मकसदों से आमंत्रित करते हैं। त्रिवेदी ने सवाल उठाया कि जब कांग्रेस शासित राज्यों में भी राहुल गांधी को औपचारिक तौर पर बुलावा नहीं मिलता, तो विदेशों में उन्हें कौन और क्यों आमंत्रित करता है।

कर्नाटक में दलित महिला की हत्या

- हिंदू संगठन बोले 'लव जिहाद'

कन्नड़. कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के येल्लापुर कस्बे में 30 वर्षीय दलित महिला की सड़क पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि यह हत्या उसके एक परिचित व्यक्ति ने की। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीपन एम एन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आरोपी रफीक इमामसाब का शव रविवार को येल्लापुर के

पास जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ मिला। इस घटना से कस्बे में सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया और कई हिंदू संगठनों ने रविवार को येल्लापुर में बंद का आह्वान किया। उन्होंने इस हत्या को 'लव जिहाद' का मामला बताया।

मृतका की पहचान येल्लापुर के कलम्मा नगर की रंजीता भानसोड के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, उसी इलाके का रहने वाला रफीक महिला की हत्या का मुख्य आरोपी था। पुलिस ने बताया कि रफीक और रंजीता स्कूल के दिनों से दोस्त थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी महिला पर शादी का दबाव डाल रहा था। जब महिला ने इससे इनकार किया, तो उसने सरेआम कथित तौर पर चाकू से महिला पर हमला कर दिया। यह घटना शनिवार दोपहर को हुई, जब रंजीता काम से घर लौट रही थी।

पुलिस ने बताया कि रंजीता ने लगभग 12 साल पहले महाराष्ट्र में शादी की थी और उनका 10 साल का बेटा है। पुलिस ने बताया कि वह अपने पति से अलग, येल्लापुर में अपने परिवार के साथ रह रही थी, जहां वह एक सरकारी स्कूल में मध्याह्न भोजन सहायिका के रूप में काम करती थी। आरोपी अक्सर उसके घर भोजन के लिए आता था लेकिन तनाव तब बढ़ गया जब उसने शादी करने पर जोर दिया जिसका रंजीता और उसके परिवार ने विरोध किया।

बांग्लादेश ने IPL का प्रसारण बैन किया

- मुस्तफिजुर को लीग से बाहर किए जाने पर फैसला
- टी-20 वर्ल्डकप में टीम भी भारत नहीं भेजेगा

बांग्लादेश सरकार ने देश में IPL के प्रसारण पर बैन लगा दिया है। वहां के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सोमवार को इस संबंध में निर्देश जारी किए। इसमें लिखा गया कि BCCI ने 26 मार्च से शुरू हो रही इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में बांग्लादेश के क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स टीम से बाहर करने का निर्णय लिया है।

बयान में कहा गया कि इस निर्णय के पीछे कोई ठोस या तार्किक कारण नहीं था। यह फैसला बांग्लादेश की जनता के लिए अपमानजनक, दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। ऐसे में अगले निर्देश तक IPL के सभी मैच के प्रचार, प्रसारण और पुनः प्रसारण को बंद रखने के निर्देश दिए जाते हैं। एक दिन पहले रविवार, 4 जनवरी को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए अपनी टीम भेजने से इंकार कर दिया था। इतना ही नहीं, BCB ने ICC से अपने मैच श्रीलंका में कराने का अनुरोध किया था। BCB ने इस मीडिया रिलीज में जानकारी दी।

BCCI ने रहमान को IPL से बाहर किया था

3 जनवरी को कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद BCCI ने शाहरुख खान की IPL टीम KKR को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का आदेश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। बांग्लादेश में पिछले 16 दिन में 4 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है।

पाकिस्तान भी भारत में नहीं खेलेगा...

टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पहले से अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करा चुका है। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक विवादों के कारण दोनों ही टीमें एक-दूसरे के देश में क्रिकेट नहीं खेलतीं। भारत ने पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में नहीं खेले थे। अब पाकिस्तान भी भारत में टी-20 वर्ल्ड कप के मैच नहीं खेलेगा। यहां तक कि भारत-पाकिस्तान मैच भी श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। अगर बांग्लादेश के मैच श्रीलंका शिफ्ट हुए तो ऐसा दूसरी टीम के साथ होगा, जो विवादों के कारण भारत में वर्ल्ड कप नहीं खेलने वाली।

वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति को धमकी दी

- ट्रम्प ने कहा- हमारी बात नहीं मानी तो और बुरा हाल करेंगे
- UNSC में आज इमरजेंसी मीटिंग

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को बुरा हाल करने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा, 'अगर डेल्सी वह नहीं करतीं जो वेनेजुएला के लिए अमेरिका सही मानता है, तो उनका हाल मादुरो से भी ज्यादा बुरा हो सकता है।'

ट्रम्प ने यह बात द अटलांटिक मैग्जीन को दिए इंटरव्यू में कही है। इससे पहले न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था अगर रोड्रिग्ज अमेरिका की बात मान लेती हैं तो वेनेजुएला में अमेरिकी सेना तैनात करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं, रोड्रिग्ज ने मादुरो को सत्ता से हटाने की आलोचना की है। साथ ही अमेरिका से मादुरो को वापस भेजने की मांग की है। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद आज UNSC की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई गई है। इसमें वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को हिरासत में लेने की वैधता पर चर्चा होगी।

डेल्सी ने अमेरिका से सहयोग की अपील की

वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने अमेरिका से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला अमेरिका के साथ विकास और शांति के लिए सहयोग का एजेंडा बनाना चाहता है।

उन्होंने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, हमारे लोग युद्ध नहीं, शांति और बातचीत के हकदार हैं। यही संदेश राष्ट्रपति मादुरो का हमेशा रहा है और आज पूरे वेनेजुएला का भी यही संदेश है।

रविवार देर रात जारी किए बयान में रोड्रिग्ज ने कहा कि अमेरिकी सेना की कार्रवाई में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी के बाद भी वेनेजुएला टकराव नहीं, बल्कि संवाद और सहयोग चाहता है।

संक्षेप...

BMC ने चुनावी ड्यूटी पर कोर्ट स्टाफ को बुलाया, हाइकोर्ट ने फटकारा

मुंबई. बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) के कमिश्नर भूषण गगरानी ने 22 दिसंबर को लेटर जारी कर निचली अदालतों के स्टाफ को चुनाव ड्यूटी पर बुलाया था। इस आदेश पर बॉम्बे हाइकोर्ट ने पिछले हफ्ते स्वतः संज्ञान लेते हुए रोक लगा दी थी। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने BMC को फटकार लगाई।

कोर्ट ने कहा कि कमिश्नर के पास किस प्रावधान से ये अधिकार हैं? आप उन्हें नहीं बुला सकते। आपके पास वे अधिकार नहीं हैं। इसपर कमिश्नर की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि कमिश्नर की ओर से वे लेटर जारी करना एक गलती थी। उन्हें वापस ले लिया गया है।

चीफ जस्टिस श्री चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम की बेंच ने इसपर कहा कि अब आप खुद को बचाएं। मामले की अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी। हम चुनाव के बाद आपकी बात सुनेंगे।

मनपा चुनावों में महायुति की आएगी सुनामी -शेलार

ठाणे. मुझे राज्य भर की 29 नगर पालिकाओं के चुनावों की जानकारी मिली, मैं कई जगहों पर गया। इसलिए, लगभग सभी नगर पालिका चुनावों के नतीजों में महायुति की सुनामी आएगी। और क्या ठाणे में विपक्ष उंगलियों पर गिने जाने लायक संख्या में आएगा? असली सवाल यही है।भाजपा नेता और मंत्री आशीष शेलार ने विपक्ष का मज़ाक उड़ाया।

मंत्री शेलार रविवार को ठाणे मनपा चुनावों के लिए प्रचार करने ठाणे आए थे। शेलार ने घोड़बंदर इलाके और मानपाड़ा प्रभाग समिति में महायुति उम्मीदवारों के प्रचार कार्यालय का उद्घाटन किया। इस बीच, उन्होंने शाम को वार्ड नंबर 5 (D) में भाजपा शिवसेना और आरपीआई महायुति उम्मीदवार सीताराम राणे के कार्यालय का दौरा किया। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष संदीप लेले और वार्ड 5 से महायुति की उम्मीदवार जयश्री डेविड और परिषा सरनाइक मौजूद थीं। मीडिया से बात करते हुए आशीष शेलार ने ठाकरे भाइयों के बयानों और हाल ही में किए गए वादों की कड़ी आलोचना की। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि 16 तारीख को आने वाले नतीजे सभी नगर पालिकाओं में महायुति की जीत की सुनामी लाएंगे। और ठाणे की जीत अभूतपूर्व होगी, क्या विपक्ष इसे उंगलियों पर गिन पाएगा? आशीष शेलार ने मज़ाक में कहा। विपक्ष के हंगामे के बारे में पूछे जाने पर शेलार ने नगर निगम चुनाव शुरू होने से पहले ही हथियार डालने के लिए विपक्ष की आलोचना की।

अंबरनाथ में पुलिस ने होटल पर छापा मारा

अंबरनाथ. शहर के होटलों में गैर-कानूनी तरीके से शराब पीने की जगहें देने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शिवाजीनगर पुलिस ने अंबरनाथ ईस्ट में 'होटल नियंत्रण ढाबा' में गैर-कानूनी तरीके से ग्राहकों को शराब पीने की सुविधा देने के आरोप में होटल मैनेजर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शनिवार की रात को शिवाजीनगर थाने के पुलिस कांस्टेबल हामिद गुलाम मुस्तफा शेख और उनकी टीम ने ग्रीन सिटी के नवरे नगर जाने वाली सड़क पर 'होटल नियंत्रण ढाबा' पर छापा मारा। इस कार्रवाई के दौरान होटल मैनेजर सौरभ हरिसिंह ठाकुर (31) को बिना किसी सरकारी लाइसेंस के होटल परिसर में ग्राहकों को शराब पीने की जगहें देते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इस मामले में पुलिस कांस्टेबल हामिद शेख की शिकायत पर आरोपी सौरभ ठाकुर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

विकास को प्राथमिकता -लता राजू गाजेंगी

भिवंडी. आगामी 15 जनवरी को होने वाले भिवंडी मनपा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के चुनाव का बिगुल बज चुका है.भिवंडी मनपा शिक्षण मंडल पूर्व सभापति राजू गाजेंगी की धर्मपत्नी लता राजू गाजेंगी ने हजारों क्षेत्रवासियों, शुभचिंतकों के साथ विकास के मुद्दे पर वार्ड में विशाल रैली निकालकर सम्मानित वोटरों से हाथ जोड़कर समर्थन की अपील की.मानसरोवर निवासी समाजसेवी संदेश पाटिल सहित तमाम प्रबुद्ध लोगों ने प्रचार रैली का फूलों से स्वागत कर हौसला अफजाई की. सीटी चुनाव निशान से विकास के एकमेव एजेंडे को लेकर वोटरों से समर्थन मांगने वाली शिक्षित, स्वच्छ छवि की प्रत्याशी लता राजू गाजेंगी को माला पहनाकर जीत का आशीर्वाद दिया. प्रचार रैली में अखिल पद्मशाली समाज वरिष्ठ नेता एमूल नरसैय्या, एल्ले सागर,शेखर नोमुला, भरत गालीपेल्ली, अड्प राजेशम, कनकैय्या धारना, शिवाजी गोरे, राजेशम चिल्ले, अंगद सिंह, दुडम रामलू, विपिन सिंह,कपिल तिवारी सहित अखिल पद्मशाली तेलुगू समाज, उत्तर भारतीय समाज सहित सर्व समाज के लोग भारी तादाद में शामिल थे.

प्रचार की पहली रैली से ही विरोधियों के हौंसले पस्त

मनपा चुनाव प्रचार रैली आशीर्वाद नगर, शिवाजी नगर, गणेश नगर, मानसरोवर,फेना पाड़ा, फेने गांव, भाग्य नगर ,गणेश मंदिर तक निकाली गई.रैली में हजारों लोग लता राजू गाजेंगी के समर्थन में सीटी बजाकर जोशीले नारे लगा रहे थे. मनपा वार्ड क्रमांक 22 (अ) के चहुंमुखी विकास का नारा देकर चुनाव में भाग्य आजमा रही लता राजू गाजेंगी की विशाल पहली रैली को ही देखकर विरोधियों के होश उड़ गए हैं.

अंबरनाथ शिवसेना की एक लॉबी भाजपा को साथ देने की तैयारी में?

उप नगराध्यक्ष कांग्रेस का होगा या शिवसेना का?

■ 12 जनवरी को चलेगा पता

अंबरनाथ. उप नगराध्यक्ष एवं 5 स्वीकृत नगरसेवकों के चुनाव के लिए पक्ष एवं उनके नगरसेवकों ने लॉबिंग शुरू कर दी है. दोनों चुनाव में नगरसेवक वोट करेंगे. चुनाव 12 जनवरी को नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले की अध्यक्षता में दोपहर 2.30 बजे नगरपरिषद की पहली मंजिल के सभागृह में सभा होगी. उपस्थित नगर सेवक हाथ ऊपर करके मतदान करेंगे. भाजपा के 14, कांग्रेस के 12, राकांपा 4 और एक निर्दलीय नगरसेवक को मिलााकर कुल 31 नगरसेवक हैं, जो कि बहुमत के आंकड़े को पार कर रहा है. विदित हो कि कुल 59 नगरसेवक हैं.

चर्चा इस बात की है कि कांग्रेस के नगरसेवक प्रदीप पाटिल को भाजपा ने उप नगराध्यक्ष पद देने का वादा किया है, लेकिन क्या इस चर्चा को बल मिलेगा, क्योंकि खबर के अनुसार शिवसेना के 27 में से 12-13 नगरसेवकों ने अपना एक अलग गुट बनाकर भाजपा को समर्थन करने का मन बना लिया है. भाजपा को शिवसेना के जिन नेताओं से एलर्जी है, उनको बाजू में रखकर ये 12 से 13 का ग्रुप अब भाजपा के साथ जाने को तैयार है. शिवसेना का ये ग्रुप नहीं चाहता है कि अंबरनाथ नपा में भाजपा-कांग्रेस की सत्ता ना बने. इसलिए शिवसेना के कुछ नगरसेवकों ने ये प्रयास शुरू कर दिया है. देखना है उनको सफलता मिलती भी है या नहीं. ये भी खबर है कि शिवसेना एवं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के बीच बैठक होगी और दोनों में युति हो जाएगी. इसलिए ये कहा नहीं जा सकता है कि आखरी क्षण तक क्या होगा. ये राजनीति है. इसमें कुछ भी हो सकता है. ऊंट किस करवट बैठेगा, कहा नहीं जा सकता. क्या अंबरनाथ में भाजपा-कांग्रेस की सत्ता होगी अथवा भाजपा शिवसेना की ये तो आने वाला समय 12 जनवरी ही बताएगा.

दिवा के साबे गांव से एक हैंडग्रेनेड बरामद

■ आरोपी गिरफ्तार

ठाणे. दिवा के साबेगांव में चुनावी माहौल में, आरोपी शिवशंकर राम मूरत विश्वकर्मा उर्फ बबलू, जो अभी दिवा के साबेगांव में रहता है, के खिलाफ पंतनगर पुलिस स्टेशन, घाटकोपर, मुंबई में क्राइम रजिस्ट्रेशन नंबर 244/2018 के तहत केस दर्ज किया गया। आरोपी, जो जुर्म के लिए अपनी सज़ा काट चुका है, अभी दिवा के साबेगांव में रहता है। 2 जनवरी, 2026 को उसने अपनी बहन पर गोली चलाई। वालवी पुलिस स्टेशन, मीरा-भायंदर और वसई-विरार कमिश्नरेट के अधिकारी और कर्मचारी 3 जनवरी, 2026 को आरोपी से पूछताछ करने दिवा आए। आरोपी ने अपनी टू-व्हीलर, नंबर MH04_GA 557, साबेगांव में पार्क की थी, जो दिवा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। अंदर एक पुराना, जंग लगा हैंड ग्रेनेड मिला। क्राइम रजिस्ट्रेशन नंबर 19/2026 के मुताबिक, मुंब्रा पुलिस स्टेशन में आर्म्स एक्ट, 1959 के सेक्शन 7 और 25 के तहत केस दर्ज किया गया है। CCTV में एक्सप्लोसिव सब्सटेंस एक्ट नहीं दिखा, इसलिए एक्सप्लोसिव सब्सटेंस एक्ट, 1908 के सेक्शन 4 और 5 के तहत एक्स्ट्रा धाराएं लगाई गईं। केस का डिटेल्ड रिकॉर्ड लिया गया।

आरोपी को आगे की जांच के लिए वाल्वी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों और स्टाफ ने कस्टडी में ले लिया है। स्टेशन के बम डिस्पोजल स्क्वॉड ने मुंब्रा पुलिस ऑफिसर अनमलदार की मदद से हैंड ग्रेनेड को डिफ्यूज कर दिया। सवाल यह है कि ऐसे में पुलिस की गैरमौजूदगी में असामाजिक तत्व आसानी से इस इलाके को टारगेट बना सकते हैं।

'कचरा ठेकेदार पर अंकुश लगाएंगे'

■ उसकी मनमानी बढ़ गई है -गुलाबराव करंजुले

अंबरनाथ. अंबरनाथ में पानी और कचरे की समस्या है. इन दोनों समस्याओं का हल करके शहरवासियों को राहत दी जाएगी. कचरे के ठेकेदार को नगर परिषद प्रशासन द्वारा करोड़ों रुपए देने के बाद भी वह ठीक ढंग से काम नहीं कर रहा है. ठेकेदार पर अंकुश लगाने का कार्य हम करेंगे. ऐसी बात भाजपा के पूर्व नगराध्यक्ष गुलाबराव करंजुले पाटिल ने शहर पूर्व के नवरे नगर में कही है. मिलिंद गान एवं पवन वालेकर द्वारा आयोजन पक्ष प्रवेश कार्यक्रम में 100 से ज्यादा लोगों ने भाजपा में गुलाब करंजुले एवं अभिजीत करंजुले के हाथों प्रवेश किया. करंजुले ने आगे कहा कि शहर में जगह-जगह कचरा जमा रहने से एवं कचरा नहीं उठाए जाने से शहर में दुर्गंध बढ़ गई है. शहरवासियों का स्वास्थ्य खतरे में आ गया है. ठेकेदार की मनमानी बढ़ गई है. ठेकेदार पर अंकुश लगाने का कार्य हम करेंगे. उन्होंने ये भी कहा कि शहर पूर्व में सिटी बस सर्विस शुरू की जाएगी. एमआईडीसी कंपनियों में महिलाएं काम पर 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलकर जाती हैं. रिक्शा में उनके पैसे ज्यादा खर्च हो जाते हैं. सिटी बस उन्हें मुनासिब किराये में उनकी मंजिल तक पहुंचाएगी. गुलाबराव करंजुले ने कहा कि सिटी बस सर्विस का प्रस्ताव शासन के पास भेज कर जल्द ही सिटी बस शुरू करने का इरादा उन्होंने जाहिर किया है. मिलिंद गान ने बताया कि उनके परिसर से अब भाजपा में प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है, जो आगे भी चलता रहेगा.

प्रभाग-3 में मशाल की लहर

■ पहले ही दिन प्रचार को मिला जबरदस्त जनसमर्थन

उल्हासनगर. उल्हासनगर के प्रभाग क्रमांक- 3 में इन दिनों मशाल की लहर साफ दिखाई दे रही है। चुनाव प्रचार के पहले ही दिन शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के उम्मीदवारों को जनता का भारी समर्थन मिला। घर-घर पहुंचते प्रचार अभियान में स्थानीय नागरिकों ने खुलकर समर्थन जताया और बदलाव की उम्मीद दिखाई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वे लंबे समय से पूर्व नगरसेवक और मौजूदा व्यवस्था से परेशान हैं। मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी, विकास कार्यों की धीमी गति और जनसमस्याओं पर ध्यान न दिए जाने से जनता में नाराजगी है। इसी कारण इस बार प्रभाग 3 की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है और मशाल को ही अपना विकल्प चुना है।

प्रभाग 3 में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रत्याशी इस प्रकार हैं— प्रभाग 3 (A) से बाला (मा.) मारोटिया, प्रभाग 3 (B) से संतोष (सचिन) बेंडके, प्रभाग 3 (C) से अल्फिया रफीक सैय्यद, और प्रभाग 3 (D) से दिलीप बी.एन. मिश्रा।

प्रचार के दौरान नागरिकों का उत्साह और समर्थन यह संकेत दे रहा है कि इस बार प्रभाग 3 में बदलाव तय माना जा रहा है और जनता केवल मशाल को ही चुनेगी।

एक्शन होते ही गैरहाजिर कर्मचारी ट्रेनिंग में शामिल हुए

ठाणे. मनपा आम चुनाव 2025-26 के बैकग्राउंड में, पोलिंग स्टेशनों पर नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ट्रेनिंग रखी गई थी, लेकिन आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने इस पहली ट्रेनिंग से गैरहाजिर रहने वाले कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया था। यह नोटिस मिलते ही, संबंधित कर्मचारी दूसरी ट्रेनिंग के लिए ऑर्डर लेने मनपा में बने चुनाव स्थापना विभाग में पेश हुए हैं।चुनाव प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और कानूनी तरीके से करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की ट्रेनिंग ज़रूरी है, और ट्रेनिंग का पहला चरण 27 से 29 दिसंबर 2025 तक राम गणेश गडकरी रंगायतन और डॉ. काशीनाथ घानेकर नाट्यगृह में आयोजित किया गया था। हालांकि, यह देखा गया कि इस पहली ट्रेनिंग से कुछ कर्मचारी गैरहाजिर थे। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए मनपा प्रशासन ने साफ चेतावनी दी थी कि गैरहाजिर कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएंगे और चुनाव ड्यूटी में लापरवाही करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पहली ट्रेनिंग के बाद गैरहाजिर कर्मचारियों को नोटिस जारी करने का काम शुरू हुआ और संबंधित विभाग ने बताया कि गैरहाजिर कर्मचारियों ने मनपा में आकर उनके आदेश मान लिए हैं।मतदान केंद्र पर दूसरी और तीसरी ट्रेनिंग हर चुनाव अधिकारी के लेवल पर आयोजित की जाएगी। मतदान के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी अपनी चुनाव ड्यूटी को गंभीरता से निभाएं,यह आयुक्त और चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने कहा।

आम सूचना

हम श्रीमती चंदा देवी विनोद गुप्ता व श्री विशाल गुप्ता पुत्र शिव पूजन साहू सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम नं. 1, 396 चौ.फुट, बैरक नं. 601, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीआय016291900) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुरवेश सत्यनारायण गुप्ता से सेल एग्रीमेंट दि. 20.12.2025 सी.नं. 1094 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती चंदा देवी विनोद गुप्ता व श्री विशाल गुप्ता पुत्र शिव पूजन साहू

आम सूचना

मैं श्रीमती सावित्री महेंद्र गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 150 चौ.फुट, हाऊस नं. 1377, आजाद नगर, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 25बीओ017320000) उक्त प्रॉपर्टी श्री महेंदर रघुनाथ गुप्ता ने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 23.12.2025 सी.नं. 368 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सावित्री महेंद्र गुप्ता

आम सूचना

हम श्री अजीत प्यारेलाल गुप्ता व श्रीमती प्रियंका अजीत गुप्ता सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम (एसी शिट्स + टिजी), एमआयडीसी रोड, तानाजी नगर, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014215800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कालींदी रामपरबल सिंह से सेल एग्रीमेंट दि. 2.1.2026 सी.नं. 34/2026 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अजीत प्यारेलाल गुप्ता व श्रीमती प्रियंका अजीत गुप्ता

बिजनेसवुमन भी हैं दीपिका

■ महंगे घर-गाड़ियों की मालकिन; नेटवर्थ करोड़ों में

दीपिका पादुकोण का आज (5 जनवरी) बर्थडे है। उन्होंने अपने करियर में खूब मेहनत की है और आज वह बॉलीवुड के एक खास मुकाम तक पहुंच गई हैं वो भी अपनी मेहनत से। आज वह बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं और उनकी करोड़ों की नेटवर्थ भी है। दीपिका ना सिर्फ फिल्मों में एक्टिंग करके कमाती हैं, उनका अपना ब्यूटी प्रोडक्ट भी है और वह विज्ञापन भी करती रहती हैं।

दीपिका की नेटवर्थ

रिपोर्ट्स के मुताबिक दीपिका की नेटवर्थ 500 करोड़ है। दीपिका बॉलीवुड में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से भी एक है। 2024 की रिपोर्ट तक दीपिका एक फिल्म के लिए 15-20 करोड़ रुपये लेती थीं। लास्ट दीपिका कल्कि 2898 एडी में नजर आई थीं और उसी फिल्म के लिए उन्होंने इतने पैसे लिए थे।

दीपिका के लग्जरी अपार्टमेंट्स

दीपिका के महंगे और लग्जरी घर भी हैं। डेली जागरण की रिपोर्ट के मुताबिक दीपिका ने साल 2013 में एक खूबसूरत घर खरीदा था 13 करोड़ का। इसके अलावा उनका एक अपार्टमेंट है जहां वह रणवीर के साथ रहती हैं और उसकी कीमत 119 करोड़ है। यह घर उनका शाहरुख खान के घर मन्नत के करीब है। यह अपार्टमेंट 11266 स्क्वायर फीट में बना है। उनका एक और अपार्टमेंट है जिसकी वर्ली में जिसकी कीमत 40 करोड़ है। वहीं अलीबाग में भी उनका बंगला है 22 करोड़ का।

लग्जरी गाड़ियों की भी हैं शौकीन

दीपिका के पास कई लग्जरी गाड़ियां हैं। उनके पास रेंज रोवर, मर्सिडीज बेंज और बीएमडब्लू है। दीपिका ना सिर्फ फिल्में बल्कि विज्ञापनों के जरिए भी मोटी फीस लेती हैं। साल 2022 में दीपिका ने अपना ब्यूटी ब्रांड शुरू किया था जिससे उनकी नेटवर्थ में काफी बढ़ोतरी हुई है। वह एक्ट्रेस होने के अलावा बिजनेसवुमन भी हैं।

मनपा चुनाव के मद्देनजर कल्याण पुलिस हुई सतर्क

■ 2527 अपराधियों के खिलाफ प्रतिबंधक कार्रवाई

■ मतदान के दिन ड्रोन कैमरे से होगी चप्पे-चप्पे पर निगरानी

उल्हास विकास संवाददाता

कल्याण. शांतिपूर्ण मतदान के लिए कल्याण पुलिस सतर्क हो गई है। कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका चुनाव के मतदान के लिए अब दस दिन शेष हैं। ऐसे में शांतिपूर्ण मतदान के लिए कल्याण पुलिस ने अब तक 2527 अपराधियों पर प्रतिबंधक कार्रवाई की है, और आगे और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रेसवार्ता के दौरान कल्याण के डीसीपी अतुल झेंडे ने बताया कि केडीएमसी क्षेत्र में 1604 बूथों के लिए 2482 पुलिसकर्मी और 1456 होमगार्ड के अलावा 9 प्लाटून एसआरपीएफ के जवान तैनात रहेंगे, जिसमें 2 डीसीपी और 8 एसीपी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की रोकथाम के लिए कल्याण और डोंबिवली में मादक पदार्थ विरोधी और गुंडा विरोधी दस्ते को सक्रिय कर दिया गया है। इसके अलावा शहर के 1110 लायसेंसी हथियार जमा कराए गए हैं। वहीं कचोरे गांव के नजदीक गांवदेवी मंदिर के पास 9 लाख रुपए बेनामी सम्पत्ति जब्त की गई है। कल्याण के डीसीपी अतुल झेंडे ने बताया कि मतदान के दिन 24 ड्रोन कैमरों से दोनों शहरों की निगरानी की जाएगी। इसके लिए कल्याण पुलिस ने सारी तैयारी कर ली है, और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए लगातार कॉम्बिंग ऑपरेशन किए जा रहे है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099